रविवार , 15 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

वर्ष - 15 • अंक - 79 CITY NEWS MUMBAI

# अपने ही इवेंट में टेलीप्रॉम्प्टर की जरूरत क्यों?

## राहुल गांधी के तंज पर गरमाई सियासत, BJP बोली- ये गंदी राजनीति

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने PM मोदी पर निशाना साधते हुए उन्हें टेलीप्रॉम्प्टर के साथ आमने-सामने बहस की चुनौती दी है। BJP ने इसे 'गंदी राजनीति' बताया है। राहुल गांधी ने 'दिवाली मिलन' कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी द्वारा टेलीप्रॉम्प्टर के इस्तेमाल पर उठाया सवाल। पीएम मोदी को दी खुली चुनौती टेलीप्रॉम्प्टर और अपनी पसंद का जज या मॉडरेटर लेकर आएं बहस में। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी के बयान को गंदी राजनीति बताया। राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी को बहस की चुनौती दिए जाने के बाद बीजेपी आक्रामक हो गई है। भाजपा नेता केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी बहुत नीचे स्तर की राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान टेलीप्रॉम्प्टर के इस्तेमाल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा गया है। राहुल गांधी ने मीडिया कर्मियों के साथ "दिवाली मिलन" सभा के दौरान टेलीप्रॉम्प्टर और एक लिखित स्क्रिप्ट का उपयोग करने के लिए पीएम मोदी से सवाल किया, उन्होंने कहा कि उन्होंने एक स्क्रिप्ट पर भरोसा किया, भले ही दर्शक, मंच और वातावरण पूरी तरह से उनके पक्ष में थे। उनका दावा है कि ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री घबराए हुए हैं या दबाव में काम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने दी बहस की चुनौती राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानते है कि अगर वो मुझसे बहस करेंगे तो



उनका राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा। राहुल गांधी ने पीएम मोदी को आमने-सामने बहस की खुली चुनौती दी, उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक टेलीप्रॉम्प्टर साथ ला सकते हैं और अपनी पसंद का एक जज या मॉडरेटर चुन सकते हैं, जब तक वह भाग लेने के लिए सहमत हों। उन्होंने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि देश जानना चाहता है कि 'असली राष्ट्र-विरोधी' कौन है? असली देशद्रोही कौन है? राहुल गांधी ने वीडियो में कहा, "मोदी जी, आपके ही गोदी मीडिया के मिलन में भी टेलीप्रॉम्प्टर? लोग आपका, मंच आपका, क्रिएटिव आपका भी चाहिए था। लगता है कि दबाव में संकट आ गया है। खैर, कोई बात नहीं। मेरी बहस में भी टेलीप्रॉम्प्टर ले आइए, जज भी अपनी पसंद का लें। बस आइए तो सही। देश को दिखता है - असली देशद्रोही कौन है?" भाजपा ने राहुल गांधी पर बोला हमला राहुल गांधी के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने भी जोरदार हमला बोला। केशव प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, "राहुल गांधी अपने जीवन की सबसे निचले स्तर की 'गंदी राजनीति' कर रहे हैं।" केशव प्रसाद मौर्य ने साधा निशाना यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आगे लिखा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बहस करने के लायक नहीं हैं। आरोप लगाना और फिर भाग जाना उनकी पुरानी आदत है। फोन टैपिंग का आरोप भी उनकी इसी 'हंगामा खड़ा करने वाली' राजनीति का हिस्सा है। यह बयान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से बहस की चुनौती देने के बाद आया। राहुल गांधी ने दावा किया कि उनके साथ आमने-सामने की बहस के बाद मोदी अपने पद पर नहीं रहेंगे। ब्रजेश पाठक ने राहुल को आंखें खोलने की सलाह दी यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा, "आप जानते हैं कि जब से उनका जन्म हुआ है, ...शेष 7 पर

# मुंबई ST महामंडल में 13,980 पदों पर होगी संविदा भर्ती, नौकरी के नाम पर ठगी करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश

महाराष्ट्र एसटी महामंडल में 13,980 पदों पर भर्ती के नाम पर ठगी। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने फर्जी संस्थाओं पर केस दर्ज करने का आदेश दिया। महाराष्ट्र एसटी में 13,980 पदों पर संविदा भर्ती होगी। चालक और यांत्रिक कर्मचारियों की होगी नियुक्ति। नौकरी के नाम पर ठगी करने वाली निजी संस्थाओं पर होगी कार्रवाई। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी महामंडल) में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए भर्ती से जुड़ी अहम खबर सामने आई



है। महामंडल में जल्द ही करीब 13,980 चालक और यांत्रिक कर्मचारियों की संविदा आधार पर भर्ती प्रस्तावित है। हालांकि, भर्ती की घोषणा के बीच कुछ निजी संस्थाओं द्वारा नौकरी दिलाने का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से पैसे वसूलने की शिकायतें भी सामने आई हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए परिवहन मंत्री एवं एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने सख्त रुख अपनाया है। 13,980 पदों पर होगी संविदा भर्ती एसटी महामंडल में कर्मचारियों की जरूरत को पूरा करने के लिए करीब 13,980 पदों पर संविदा आधार पर नियुक्तियां की जाएंगी। इनमें चालक और यांत्रिक कर्मचारियों के पद शामिल हैं। इस भर्ती से राज्य के बड़ी संख्या में रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को अवसर मिलने की उम्मीद है। ...शेष 7 पर

# महाराष्ट्र में शिक्षकों की पदोन्नति पर लगा ब्रेक, हाईकोर्ट के आदेश तक प्रक्रिया रोकने के सरकार के निर्देश



महाराष्ट्र में जिला परिषद शिक्षकों की पदोन्नति पर रोक लगी। राज्यमंत्री पंकज भोयर ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश तक प्रक्रिया रोकने को कहा। महाराष्ट्र में जिला परिषद शिक्षकों की पदोन्नति पर रोक। हाई कोर्ट के आदेश तक प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। फैसले से हजारों शिक्षकों की पदोन्नति अटकी। महाराष्ट्र ...शेष 7 पर

# सुप्रिया सुले ने NCP के दोनों गुटों के विलय की खबरों पर लगाया फुलस्टॉप, NDA में शामिल होने पर कही ये बात



सांसद सुप्रिया सुले ने NCP दोनों गुटों के विलय की चर्चाओं पर पूर्ण विराम लगा दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब इस मुद्दे पर कोई बात नहीं होगी। सुप्रिया सुले ने कहा अजित पवार के निधन के बाद विलय की चर्चाएं पूरी तरह समाप्त हो चुकी हैं। सत्ता में शामिल होने या एनडीए में जाने की अटकलों को सिरे से खारिज किया। सुप्रिया सुले ने प्रफुल पटेल पारिवारिक संबंधों का किया जिक्र ...शेष 7 पर

# MPSC परीक्षा गड़बड़ी की शिकायत के लिए बढ़ी समयसीमा, अब 23 नवंबर तक दे सकेंगे हलफनामा

MPSC परीक्षा गड़बड़ियों की जांच के लिए हलफनामा देने की अंतिम तिथि 23 नवंबर 2026 तक बढ़ाई गई। तुकाराम मुंढे ने की अपील। एमपीएससी परीक्षा गड़बड़ी की शिकायत के लिए समयसीमा 23 नवंबर तक बढ़ी। नौ परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं की जांच जारी। परीक्षार्थी मराठी या अंग्रेजी में हलफनामा जमा कर सकेंगे। महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (एमपीएससी) की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के मामलों की जांच के बीच परीक्षार्थियों और अन्य संबंधित लोगों को बड़ी राहत मिली है। जांच आयोग




ने शिकायत और जानकारी देने के लिए हलफनामा जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब इच्छुक लोग 23 नवंबर 2026 तक अपना निवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। इससे पहले हलफनामा जमा करने की अंतिम तारीख 16 नवंबर निर्धारित की गई थी। दिवाली की छुट्टियों को देखते हुए आयोग ने यह समयसीमा बढ़ाने का फैसला किया है। एमपीएससी की नौ परीक्षाओं की हो रही जांच महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग की ओर से आयोजित नौ परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों, अनियमितताओं और पेपर लीक से जुड़े मामलों की पड़ताल के लिए जांच आयोग का गठन किया गया है। आयोग ने ऐसे सभी लोगों से सामने आने की अपील की है, जिनके पास इन घटनाओं से संबंधित कोई जानकारी या सबूत हैं। परीक्षार्थी और विद्यार्थी भी अपनी शिकायतें तथा पक्ष आयोग के सामने रख सकते हैं। मराठी या अंग्रेजी में देना होगा हलफनामा आयोग के निर्देशानुसार, शिकायत निर्धारित प्रारूप में प्रतिज्ञापत्र यानी हलफनामे के माध्यम से जमा करनी होगी। इसे मराठी अथवा अंग्रेजी भाषा में भरा जा सकता है। निवेदन के साथ वैध पहचान पत्र की ...शेष 7 पर

# दिल्ली के रामलीला मैदान में रैलियों और प्रदर्शनों के लिए नया SOP तैयार, तय हुआ समय और भीड़ का दायरा

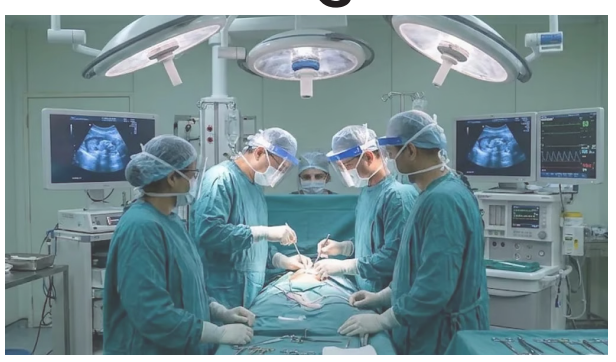
दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान में होने वाले कार्यक्रमों के लिए नया SOP ड्राफ्ट तैयार किया है। अब रैलियों का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक तय किया गया है। रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच होगी। मैदान की अधिकतम क्षमता 50,000 लोगों की तय। ट्रैफिक जाम और जनता की असुविधा को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने उठाया कदम। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन, रैलियां और जनसभाएं आयोजित करने के नियमों में बदलाव होने जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान में होने वाले कार्यक्रमों के लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) तैयार की है। इस प्रस्तावित ड्राफ्ट में भीड़ की संख्या, समय, अनुमति और सुरक्षा से जुड़ी कई सख्त शर्तें शामिल हैं। नए नियमों के अनुसार, रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन और रैलियां केवल सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच ही की जा सकेंगी। इस समय के बाद किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन, रैली या जनसभा की अनुमति नहीं होगी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि आसपास के इलाकों में ट्रैफिक और आम लोगों की दिनचर्या में कोई बाधा न आए। मैदान में 50,000 लोगों की क्षमता तय दिल्ली पुलिस के ड्राफ्ट में मैदान की अधिकतम क्षमता



50,000 लोगों की तय की गई है। किसी भी स्थिति में इससे अधिक भीड़ की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, किसी कार्यक्रम में कितने लोग शामिल हो सकते हैं, यह सक्षम अधिकारी तय करेंगे। वे कार्यक्रम के प्रकार, आने वाली संभावित भीड़ और सुरक्षा इंतजामों के आधार पर यह संख्या निर्धारित करेंगे। अगर बड़ी भीड़ आने की संभावना हो, तो अनुमति में शामिल होने वाले लोगों की संख्या को सीमित किया जा सकता है। 10 दिन पहले देना होगा आवेदन आयोजकों के लिए आवेदन प्रक्रिया को भी और अधिक सख्त बना दिया गया है। आयोजकों को कार्यक्रम से कम से कम 10 दिन पहले अपना आवेदन जमा करना होगा। आवेदन के साथ नगर निगम (MCD) द्वारा जारी 'स्थान उपलब्धता प्रमाण पत्र' लगाना अनिवार्य है। इसके बिना आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। ट्रैफिक और पार्किंग प्रबंधन को लेकर भी नई शर्तें जोड़ी गई हैं। इन व्यवस्थाओं को संभालने के लिए आयोजकों को पुलिस के साथ तालमेल बिठाना होगा। ड्राफ्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि किसी भी स्थिति में सड़कों, फुटपाथों और आपातकालीन रास्तों को अवरुद्ध नहीं किया जाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन के दौरान एम्बुलेंस, दमकल गाड़ियों और अन्य आपातकालीन सेवाओं के लिए रास्ता हमेशा खुला रहना चाहिए। प्रदर्शन और आम जनता की सुविधा के बीच संतुलन रामलीला मैदान एक ऐतिहासिक और संवेदनशील जगह है। यहां अक्सर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन होते हैं, जिसकी वजह से आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था हो जाती है। इस नई SOP का उद्देश्य विरोध करने के अधिकार और आम जनता की सुविधा के बीच एक संतुलन बनाना है।

# दिल्ली AIIMS ने रचा इतिहास, मां के गर्भ में किया शिशु की रीढ़ के हड्डी का सफल ऑपरेशन

दिल्ली एम्स के डॉक्टरों ने गर्भ में पल रहे 25 सप्ताह के बच्चे की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी कैसे की? जानिए बीमारी, ऑपरेशन और इसके संभावित फायदों की पूरी जानकारी। AIIMS दिल्ली में 12 नवंबर को 30 से अधिक विशेषज्ञों की टीम ने छह घंटे तक चली भारत की पहली ओपन फीटल सर्जरी की। गर्भस्थ शिशु मायलोमेनिंगोसील बीमारी से पीड़ित था, जिससे लकवा और दिमाग में पानी भरने का खतरा रहता है। अंतरराष्ट्रीय MOMS अध्ययन के मुताबिक, गर्भ में सर्जरी कराने वाले 40% बच्चों को शंट की जरूरत पड़ी, जबकि जन्म के बाद ऑपरेशन में यह आंकड़ा 82% था। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के डॉक्टरों ने हेल्थ के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यहां डॉक्टरों की टीम ने गर्भ में पल रहे 25 सप्ताह के शिशु की रीढ़



की हड्डी की ओपन सर्जरी की है। 12 नवंबर को एम्स के न्यूरोसाइंस सेंटर में करीब 6 घंटे तक चली इस जटिल प्रक्रिया को भारत में अपनी तरह की पहली ओपन फीटल सर्जरी बताया गया है। इस ऑपरेशन का उद्देश्य बच्चे में जन्मजात रीढ़ की हड्डी की गंभीर बीमारी को जन्म से पहले ही ठीक करना था। इस जटिल ऑपरेशन में 30 से अधिक डॉक्टरों, विशेषज्ञों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम शामिल रही। सर्जरी का नेतृत्व न्यूरोसर्जरी विभाग के प्रोफेसर दीपक गुप्ता ने किया। किस बीमारी से पीड़ित था गर्भ में पल रहा बच्चा? गर्भस्थ शिशु मायलोमेनिंगोसील (Myelomeningocele) नाम की जन्मजात बीमारी से पीड़ित था। यह स्पाइना बिफिडा का एक गंभीर रूप है। इसमें रीढ़ की हड्डी का कुछ हिस्सा और उसे ढकने वाली झिल्लियां रीढ़ की हड्डी में बने खुले स्थान से बाहर निकल आती हैं। इस बीमारी में तंत्रिका ऊतकों को नुकसान पहुंच सकता है। जन्म के बाद बच्चे को पैरों में लकवा, चलने-फिरने में परेशानी और दिमाग में पानी भरने यानी हाइड्रोसेफलस जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आमतौर पर इस बीमारी का ऑपरेशन बच्चे के जन्म के बाद किया जाता है। हालांकि, तब तक तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचने की आशंका रहती है। इसी खतरे को कम करने के लिए एम्स के डॉक्टरों ने गर्भ में ही सर्जरी करने का फैसला किया। पांच सप्ताह की तैयारी के बाद 6 घंटे चला ऑपरेशन दिल्ली एम्स के अनुसार, इस सर्जरी की तैयारी पांच सप्ताह से अधिक समय तक चली। इस दौरान गर्भस्थ शिशु की विस्तृत जांच, अल्ट्रासाउंड और अन्य इमेजिंग प्रक्रियाएं की गईं। मां को ऑपरेशन के संभावित फायदे और जोखिमों के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

# 22 साल पुराने युद्धपोत की क्या है खासियत? भाप से चलता था इंजन, अब मिलेगी डीजल की ताकत



INS Betwa भारतीय नौसेना का मिसाइलों से लैस युद्धपोत है। जानें इसकी मारक क्षमता, हथियार, स्टीम इंजन से डीजल इंजन में बदलाव और आधुनिकीकरण का महत्व। INS Betwa भारतीय नौसेना का ब्रह्मपुत्र क्लास का गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट है। INS Betwa 2004 से समुद्री सुरक्षा में तैनात है। युद्धपोत में एंटी-शिप मिसाइल, बराक एयर डिफेंस सिस्टम, समेत कई हथियार मौजूद हैं। पुराने स्टीम सिस्टम को हटाकर डीजल इंजन आधारित सिस्टम लगाया जाएगा। साथ ही कॉम्बैट सिस्टम और हथियारों का आधुनिकीकरण होगा। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के युद्धपोत 'INS बेतवा' की मरम्मत, आधुनिकीकरण और री-पावरिंग यानी इंजन और पावर सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) के साथ 498.58 करोड़ रुपये का एक बड़ा कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है।

# महादेव ऐप मामले में CBI की बड़ी कार्रवाई, 6 राज्यों के 33 ठिकानों पर छापेमारी




CBI ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म महादेव ऑनलाइन बुक ऐप मामले में 6 राज्यों के 33 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया है। महादेव ऐप मामले में CBI कर रहा कार्रवाई आज 6 राज्यों के 33 ठिकानों पर छापेमारी अमृतसर, दिल्ली, नागौर, धौलपुर, भोपाल, रायपुर आदि में छापेमारी CBI ने ये तलाशी मामले के प्रमुख आरोपी सौरभ चंद्राकर के खुलासों के आधार पर की है। सौरभ चंद्राकर को ओमान सल्तनत से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। वो इस प्लेटफॉर्म के प्रमुख प्रमोटरों में से एक है। तलाशी के दौरान सट्टेबाजी और जुए के कई पैनल संचालित होते हुए पाए गए, जिन्हें बंद करा दिया गया। जांच एजेंसी ने डिजिटल उपकरण, मोबाइल फोन और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं। इन दस्तावेजों से म्यूल बैंक खातों और हवाला नेटवर्क के इस्तेमाल का खुलासा हुआ है। 6 राज्यों के 33 ठिकानों पर छापेमारी महादेव ऐप मामले में 6 राज्यों में CBI की छापेमारी जारी है।

# तेलंगाना में गिग वर्कर्स को 5 लाख का दुर्घटना बीमा, 10 लाख का हेल्थ कवर; राहुल गांधी ने लॉन्च की योजना

हैदराबाद में 'तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम' की शुरुआत करते हुए राहुल गांधी ने गिग वर्कर्स के लिए 10 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा का ऐलान किया। तेलंगाना सरकार गिग वर्कर्स को देगी 5 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा और 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा। हर डिलीवरी और ट्रांजैक्शन का 1% हिस्सा 'गिग वर्कर्स बोर्ड' के जरिए सीधे वर्कर्स के बैंक खाते में जाएगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हैदराबाद में किया इस ऐतिहासिक योजना का शुभारंभ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को यहां 'गिग वर्कर्स' प्लेटफॉर्म-आधारित कामगारों के साथ एक बाइक रैली में हिस्सा लिया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कांग्रेस के अन्य नेता भी इस रैली में शामिल हुए।



राहुल गांधी ने गिग वर्कर्स के लिए बड़ी योजना लॉन्च की। तेलंगाना के हैदराबाद में 'तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम' की शुरुआत के मौके पर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 21वीं सदी डेटा की सदी है। पूरे देश में डेटा की चर्चा हो रही है, डेटा सेंटर बनाए जा रहे हैं। गूगल, फेसबुक, व्हाट्सएप, उबर ये सभी डेटा के दम पर चलते हैं। लेकिन भारत में अब तक गिग वर्कर्स को अपना ही डेटा नहीं मिल रहा था। गिग वर्कर्स के लिए सुविधाएं राहुल गांधी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, "गिग वर्कर्स अपना डेटा देख भी नहीं सकते थे। यह कानून आपको अपने डेटा पर अपना अधिकार देगा। तेलंगाना सरकार आपको यह गारंटी दे रही है कि आप जो काम करते हैं, जो राइड पूरी करते हैं, और उन राइड के लिए आपको जो पैसे मिलते हैं, वे सब आप अपने मोबाइल फोन पर देख सकेंगे।" तेलंगाना में राहुल गांधी का संबोधन 'तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम' की शुरुआत के मौके पर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, "आप तेलंगाना के शहरों में धूप में घूमते हैं, सामान की डिलीवरी करते हैं, लेकिन आपके पास आराम करने के लिए कोई तय जगह नहीं है। इसलिए, तेलंगाना सरकार ऐसे 'रेस्ट जोन' यानी उनके आराम करने की जगह बनाने जा रही है, जहां वाई-फाई की सुविधा होगी। यहां आप अपना वाहन पार्क कर सकते हैं, आराम कर सकते हैं, बैठ सकते हैं या सो सकते हैं। ऐसी सुविधा हैदराबाद और राज्य के सभी शहरों में मिलेगी।"

# गोधरा कांडः CBI के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना का दावा- लालू यादव मुझे चाहते थे फंसाना

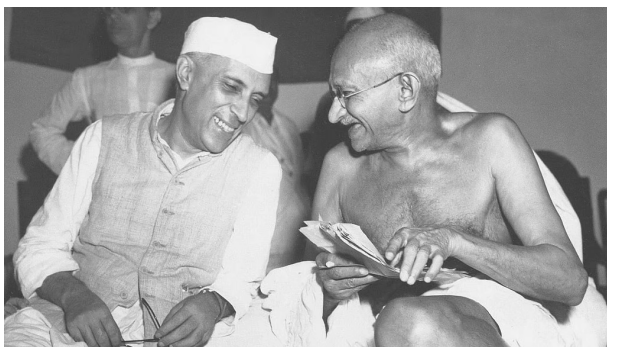
गोधरा कांड को लेकर सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर गंभीर आरोप लगाया है। गोधरा कांड को लेकर सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक का गंभीर आरोप तत्कालीन रेल मंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर फंसाना का आरोप गोदरा कांड 2002 की गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन के पास घटी एक बेहद संवेदनशील और दर्दनाक घटना है सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना ने गोधरा ट्रेन अग्निकांड की जांच से जुड़ा एक बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि तत्कालीन रेल मंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव उन्हें जस्टिस यूसी बनर्जी समिति के जरिए फंसाना चाहते थे। अस्थाना ने बताया कि उस समय दिल्ली में मीडिया के एक वरिष्ठ पद पर काम करने वाले उनके पुराने हॉस्टल साथी ने फोन कर उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी थी। एक इंटरव्यू के दौरान 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड का जिक्र करते हुए अस्थाना ने बताया कि उनके एक पुराने साथी ने उन्हें फोन किया था। वह दिल्ली में मीडिया के एक बड़े पद पर कार्यरत थे। उन्होंने अस्थाना को चेतावनी दी



थी कि जस्टिस यूसी बनर्जी समिति के नाम पर उन्हें मामले में फंसाने की कोशिश हो सकती है। हालांकि, अस्थाना ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इसके पीछे लालू प्रसाद यादव का कोई निजी या राजनीतिक मकसद था या नहीं। उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। जस्टिस यूसी बनर्जी समिति ने हादसा बताया था साल 2004 में केंद्र में सरकार बदलने के बाद तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने गोधरा कांड की जांच के लिए जस्टिस यूसी बनर्जी समिति का गठन किया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में ट्रेन के कोच में आग लगने की वजह दुर्घटना बताई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कोच में रखे स्टोव के कारण आग लगी थी। वहीं, गोधरा कांड की जांच करने वाले जस्टिस नानावटी आयोग ने अपनी रिपोर्ट में आग को जानबूझकर लगाई गई घटना बताया था। अस्थाना के मुताबिक, आयोग ने इसे पहले से रची गई साजिश का हिस्सा माना था। नानावटी आयोग ने 44 हजार हलफनामों का किया अध्ययन अस्थाना ने बताया कि नानावटी आयोग ने अपने निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए फॉरेंसिक जांच, एसआईटी और पुलिस की जांच का अध्ययन किया था। इस प्रक्रिया में करीब 44 हजार हलफनामे दाखिल किए गए और 1,000 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि जस्टिस यूसी बनर्जी समिति की रिपोर्ट को एक पीड़ित ने गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने समिति के गठन को अवैध करार दिया था। अदालत का कहना था कि जब मामले की जांच के लिए पहले से ही जांच आयोग गठित था, तो रेल मंत्रालय अलग से ऐसी समिति नहीं बना सकता था।

## जवाहरलाल नेहरू जेल में किस जानवर से डरते थे? भय से बिस्तर छोड़कर भाग जाते थे

पंडित जवाहरलाल नेहरू जेल में बंद के दौरान किस जानवर से डरते थे? जेल में पंडित नेहरू का सामना किन जानवरों से होता था? आइए जानते हैं। पंडित नेहरू को साल 1931 में गिरफ्तार किया गया था। जवाहरलाल नेहरू मुंबई में महात्मा गांधी से मिलने जा रहे थे। इरादतगंज रेलवे स्टेशन पर अंग्रेज सरकार की पुलिस ने पकड़ा था। आज भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 137वीं जयंती है। उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को अब प्रयागराज ( तब के इलाहाबाद) में हुआ था। पंडित नेहरू का बच्चों के प्रति प्रेम किसी से छिपा नहीं था। बच्चों के बीच चाचा नेहरू के नाम से मशहूर पंडित नेहरू जेल में रहने के दौरान जानवरों के साथ समय बिताना पसंद करते थे। जेल की मुश्किल जिंदगी के बीच जानवर उनके लिए सुकून और मनोरंजन



का जरिया बनते थे। जेल में गिलहरियों को देखना था पसंद वरिष्ठ पत्रकार फ्रैंक मोरेस ने जवाहरलाल नेहरू की जीवनी में उनके जेल जीवन से जुड़े कई दिलचस्प किस्सों का जिक्र किया है। मोरेस के मुताबिक, जेल में नेहरू का पसंदीदा शगल गिलहरियों की अठखेलियां देखना था। वह काफी समय तक इन छोटे जानवरों को खेलते और उछल-कूद करते हुए निहारते रहते थे। नेहरू का जानवरों के प्रति लगाव सिर्फ गिलहरियों तक सीमित नहीं था। फ्रैंक मोरेस के अनुसार, देहरादून जेल में उन्होंने दो कुत्तों को अपना लिया था। बाद में जब उन कुत्तों के बच्चे हुए तो नेहरू ने उनकी भी देखभाल शुरू कर दी। जेल की चारदीवारी के भीतर भी वह इन जानवरों के साथ अपना समय बिताते थे। सांप, बिच्छू और कनखजूरों से भी होता था सामना जेल में नेहरू की कोठरी में कई बार सांप, बिच्छू और कनखजूरे भी आ जाते थे। हालांकि, इन जीवों के प्रति उनका रवैया गिलहरियों और कुत्तों जैसा नहीं था। वरिष्ठ पत्रकार फ्रैंक मोरेस पीएम नेहरू की जीवनी में लिखते हैं, "कनखजूरों से नेहरू को विशेष परेशानी होती थी।" एक रात उन्हें अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उन्होंने तुरंत टॉर्च जलाई तो देखा कि एक कनखजूरा उनके पैर पर चल रहा था। यह देखते ही नेहरू घबराकर बिस्तर से नीचे कूद गए। नेहरू इस घटना के समय कोलकाता के अलीपुर जेल में बंद थे। कब गिरफ्तार हुए थे जवाहरलाल नेहरू? 26 दिसंबर 1931 को महात्मा गांधी से मिलने बंबई जाते समय नेहरू को इलाहाबाद के पास इरादतगंज रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर शहर छोड़ने के आदेश का उल्लंघन करने का आरोप था। उन्हें दो साल की सजा सुनाई गई थी।

## दिल्ली से बिहार, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और हैदराबाद का हवाई सफर हुआ दोगुना, 15 दिन में 50% तक बढ़ा किराया



दिल्ली से बिहार, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, हैदराबाद का हवाई सफर दोगुना हो गया है। छठ पूजा और शादियों के समय को देखकर किराए में की गई बढ़ोतरी का विरोध भी शुरू हो गया है। पिछले 15 दिनों में 50% हवाई किराए में बढ़ोतरी छट पर्व और शादियों के सीजन में मनमानी बढ़ोतरी CTI ने कहा- शादियों के सीजन में रूला रहा हवाई किराया बढ़ते एयर किरायों को लेकर चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु को पत्र लिखकर मांग की है कि विमान कंपनियों की मनमानी और लूट को तुरंत रोका जाए। CTI चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि सिर्फ व्यापारी ही नहीं, मिडिल क्लास और आम जनता भी हवाई किरायों से परेशान है। छठ और शादियों के मद्देनजर नहीं करें मनमौजी बृजेश गोयल ने कहा कि 5 दिन बाद यानी 20 नवंबर से शादियों का सीजन शुरू हो रहा है। अभी छठ पर्व भी चल रहा है। लाखों लोग अपने घर जाना चाहते हैं, शादी-विवाह में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन हवाई किराया सुनकर ही हिम्मत टूट जा रही है।

## जाकिर नाइक के IRF पर तीसरी बार प्रतिबंध क्यों लगा? जानिए 2016 से अब तक क्या-क्या हुआ



जाकिर नाइक की संस्था पर भारत सरकार ने तीसरी बार प्रतिबंध क्यों बढ़ाया? जानिए 2016 से अब तक की कार्रवाई, UAPA के आरोप और प्रत्यर्पण से जुड़ा पूरा मामला। भारत सरकार ने इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन (IRF) पर UAPA के तहत प्रतिबंध अगले पांच साल के लिए बढ़ाया। 2016 में पहली बार प्रतिबंध लगा, 2021 में बढ़ाया गया और नवंबर 2026 में तीसरी बार कार्रवाई हुई। जाकिर नाइक पर कट्टरपंथ फैलाने, धार्मिक वैमनस्य बढ़ाने और युवाओं को प्रभावित करने के क्या आरोप हैं? भारत सरकार ने विवादित इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक की संस्था इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन (IRF) पर प्रतिबंध अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। गृह मंत्रालय ने 13 नवंबर 2026 को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी UAPA के तहत यह फैसला लिया।

## 11 घंटे में 4 बार कांपी जम्मू-कश्मीर की धरती, क्या यह किसी बड़े खतरे का संकेत है?

जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ में 11 घंटे के भीतर भूकंप के चार झटके आए। सबसे तेज झटका 3.8 तीव्रता का था। फिलहाल किसी नुकसान की खबर नहीं है। डोडा और किश्तवाड़ में करीब 11 घंटे के भीतर भूकंप के चार झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटका सुबह 8:48 बजे डोडा में आया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी। सबसे तेज भूकंप की गहराई जमीन से महज 5 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। किसी जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ जिले में शनिवार को एक के बाद एक भूकंप के चार झटके महसूस किए गए। करीब 11 घंटे के भीतर धरती चार बार कांपी। भूकंप का सिलसिला रात 2 बजकर 38 मिनट पर शुरू हुआ और दोपहर 1 बजकर 9 मिनट तक जारी रहा। इस



दौरान सबसे तेज झटका 3.8 तीव्रता का दर्ज किया गया। लगातार आए झटकों से स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई। हालांकि, राहत की बात यह है कि अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप के चारों झटके जम्मू संभाग के डोडा और किश्तवाड़ जिलों में दर्ज किए गए। इनमें पहला झटका किश्तवाड़ में आया, जबकि इसके बाद तीन बार डोडा की धरती हिली। सबसे तेज भूकंप की गहराई जमीन से महज 5 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। रात 2:38 बजे किश्तवाड़ में आया पहला झटका भूकंप का सिलसिला शनिवार तड़के शुरू हुआ। रात 2 बजकर 38 मिनट पर किश्तवाड़ जिले में 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसकी गहराई जमीन से 15 किलोमीटर नीचे थी। इसके करीब छह घंटे बाद डोडा जिले में दूसरा झटका आया। सुबह 8 बजकर 31 मिनट पर दर्ज किए गए इस भूकंप की तीव्रता 2.7 थी। इसकी गहराई 10 किलोमीटर बताई गई। 17 मिनट के भीतर दो बार कांपी डोडा की धरती डोडा जिले में सुबह भूकंप के झटके लगातार महसूस किए गए। सुबह 8 बजकर 31 मिनट पर आए दूसरे झटके के महज 17 मिनट बाद, 8 बजकर 48 मिनट पर तीसरा भूकंप दर्ज इस भूकंप की गहराई जमीन से केवल 5 किलोमीटर नीचे थी। कम गहराई पर आने वाले भूकंप के झटके सतह पर अधिक महसूस हो सकते हैं। दोपहर 1:09 बजे फिर आया भूकंप सुबह के तीन झटकों के बाद दोपहर में भी भूकंपीय गतिविधि जारी रही। दोपहर 1 बजकर 9 मिनट पर डोडा जिले में 2.9 तीव्रता का चौथा भूकंप दर्ज किया गया।

# सम्पादकीय

## आइए बचपन को संजोएं, आइए बचपन की भावना को पोषित करें!

बाल दिवस केवल बच्चों की खुशी का उत्सव ही नहीं है, बल्कि वयस्कों के लिए आत्मनिरीक्षण का भी दिन है। हम अपने बच्चों को किस प्रकार आकार दे रहे हैं, यह इस बात से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि हम उनके लिए कैसा वातावरण बना रहे हैं। हम अक्सर यह कहावत सुनते हैं कि 'आज के बच्चे कल के नागरिक हैं'। लेकिन बच्चों को सिर्फ कल के नागरिक के रूप में देखने के बजाय, हमें उन्हें आज के समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा समझना चाहिए। क्योंकि बचपन जीवन का सिर्फ एक चरण नहीं, बल्कि पूरे जीवन की नींव है। इसी नींव पर व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इसीलिए बचपन का खुशहाल, सुरक्षित, सुसंस्कृत और रचनात्मक होना बहुत जरूरी है। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती, 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चों के प्रति उनके प्रेम और उनसे घनिष्ठ संबंध के कारण बच्चे उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे। बाल दिवस स्कूलों के खुशनुमा माहौल, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, बच्चों के चेहरों पर चमकती खुशी, खेल, गीत, नृत्य, भोजन और उपहारों की याद दिलाता है। बच्चों को खुश करने के लिए इस दिन कई गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। लेकिन बाल दिवस का असली अर्थ सिर्फ एक दिन तक सीमित नहीं है। यह वह दिन है जब हमें बच्चों के अधिकारों, उनकी शिक्षा, उनके स्वास्थ्य, उनकी सुरक्षा और उनके सपनों को सही दिशा देने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बचपन मासूमियत की एक खूबसूरत अभिव्यक्ति है! बच्चों की दुनिया कितनी अनोखी है! उनकी आँखें जिज्ञासा से भरी होती हैं, उनके मन में सवालों का अंबार होता है और उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं होती। एक बच्चा जो तितली को देखकर उसके पीछे दौड़ता है, एक बच्चा जो बारिश में कागज की नाव छोड़ने के बाद खुशी से ताली बजाता है, एक बच्चा जो आकाश में चाँद को छूने की जिद करता है... बचपन की सच्ची सुंदरता इन्हीं सब में निहित है। हालांकि, आज के बच्चों का बचपन बदल रहा है। आंगन में खेले जाने वाले खेल, दोस्तों के समूह, पेड़ पर चढ़ना, लुका-छिपी, लगोरी, विटिडांडू, सागरगोटे, भाटुकली - इन सब की जगह अब मोबाइल फोन, टैब, वीडियो गेम और डिजिटल मनोरंजन ने ले ली है। तकनीक का उपयोग गलत नहीं है; लेकिन इसका अत्यधिक उपयोग बच्चों की शारीरिक गतिविधि, सामाजिक मेलजोल और कल्पनाशीलता को प्रभावित कर सकता है। अगर स्क्रीन की दुनिया मैदान से ज्यादा आकर्षक लगने लगे, तो बचपन की सहजता खो जाती है। आज के माता-पिता को भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बच्चों से पढ़ाई में अच्छे अंक लाने, विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने और संगीत, नृत्य, चित्रकला और खेल जैसे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपेक्षा की जाती है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए माता-पिता के प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय हैं। लेकिन इस प्रयास में, क्या बच्चों को अपनी रुचियों और पसंदों को आगे बढ़ाने की स्वतंत्रता मिलती है, यह एक विचारणीय प्रश्न है। शिक्षा सिर्फ अंकों की प्रतियोगिता नहीं है! शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में सोचने की क्षमता, प्रश्न पूछने का साहस, निर्णय लेने की क्षमता, सहयोग की भावना और मानवता का भाव विकसित करना होना चाहिए। आज इंटरनेट पर अपार जानकारी उपलब्ध है। लेकिन अब उन्हें सही जानकारी का चयन करना, उसका विश्लेषण करना, सत्य और असत्य में अंतर करना और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनना सिखाना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। विद्यालय बच्चों के व्यक्तित्व विकास की प्रयोगशाला है। पुस्तकों के पाठ पढ़ाते समय जीवन के मूल्यों को बच्चों में समाहित करना आवश्यक है। स्वच्छता, अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग, पर्यावरण प्रेम, बड़ों का आदर और सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता जैसे मूल्यों को केवल पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से ही नहीं, बल्कि वास्तविक कार्यों के माध्यम से भी बच्चों में विकसित किया जाना चाहिए। बाल दिवस मनाते समय समाज के सभी बच्चों पर विचार करना महत्वपूर्ण है। एक ओर वे बच्चे हैं जो महंगे स्कूलों में पढ़ते हैं और विभिन्न सुविधाएं प्राप्त करते हैं; वहीं दूसरी ओर वे बच्चे हैं जो आर्थिक स्थिति के कारण शिक्षा से वंचित हैं, बाल श्रम में लगे हैं, सड़कों पर रहते हैं या कुपोषण का शिकार हैं। बचपन हर बच्चे का मौलिक अधिकार है। प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और खेलने के अवसर मिलने चाहिए। बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। माता-पिता, शिक्षक, सामाजिक संगठन और प्रत्येक जागरूक नागरिक को इसमें योगदान देना चाहिए। आज के समय में बच्चों से संवाद करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। अक्सर, वयस्क बच्चों को उपदेश देते हैं, निर्देश देते हैं, उनकी गलतियाँ बताते हैं; लेकिन उनकी बातें शांति से नहीं सुनते। बच्चों के मन में भी प्रश्न, भय, असुरक्षा, कभी-कभी भ्रम और कभी-कभी अनकहे भाव होते हैं। ऐसे समय में, उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में सक्षम होना चाहिए। बच्चों को सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें चुप कराने के बजाय उनके जवाब देने की कोशिश करनी चाहिए। अगर वे कोई गलती करते हैं, तो उन्हें अपमानित करने के बजाय समझाना चाहिए। बच्चों के लिए अनुशासन ज़रूरी है; लेकिन यह डर पर नहीं, बल्कि समझ पर आधारित होना चाहिए। बच्चों से प्यार करने का मतलब उनकी हर इच्छा को मंजूरी देना नहीं है, बल्कि उनकी भावनाओं का सम्मान करना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना है। आज बच्चों के हाथों में मोबाइल फोन हैं, कल वे देश की जिम्मेदारी संभालेंगे। आज उनके मन में उठने वाले प्रश्न कल नए शोधों को जन्म देंगे।

# बच्चों को दीजिए अच्छे-बुरे की सीख

प्रायः कहा जाता है कि बच्चों की कोमल भावनाओं को समझना चाहिए। उन्हें ज्यादा रोकना-टोकना नहीं चाहिए। उनसे किसी बात के लिए न नहीं कहना चाहिए, लेकिन बच्चों के लिए ही काम करने वाले बहुत से संगठन इस पर जोर दे रहे हैं कि यदि आप बच्चे को न नहीं कहते तो उसे हमेशा हां सुनने की आदत पड़ जाती है। वे कभी न सुनना नहीं चाहते। घर में भी हमेशा बच्चों की मांगों को माना नहीं जा सकता, क्योंकि मांगों को पूरा करने में संसाधन और समय भी खर्च होता है। कोई जरूरी तो नहीं कि प्रत्येक परिवार के पास बच्चे की हर इच्छा पूरी करने के संसाधन और सामर्थ्य हों। फिर बच्चा हमेशा घर में तो रहता नहीं। स्कूल भी जाता है, दूसरे बच्चों के साथ खेलता है। बड़ा होकर नौकरी या अपना काम भी करता है। बच्चों के जीवन का यह चक्र बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यदि किसी बच्चे को बाहर निकलकर न सुननी पड़े तो उनका आत्मविश्वास हिल सकता है। वे अवसाद का शिकार हो सकते हैं। कई बार तो उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित हो जाता है। अपने ही देश के कई बड़े उद्योगपतियों ने अपनी जीवनी में लिखा है कि यदि संसाधन हों तो भी बच्चे को सही जिदंगी जीने का तरीका समझाने के लिए उसकी हर इच्छा पूरी नहीं करनी चाहिए। उसे मेहनत और पैसे की बचत का महत्व समझाना चाहिए। आज के उपभोक्तावादी और प्रतिस्पर्धी युग में इसकी आवश्यकता और बढ़ गई है। बाहर की दुनिया उस कोमलता से भरी नहीं होती, जिसमें हां सुनने वाले तमाम बच्चे रह रहे होते हैं। वे बाहरी दुनिया का मुकाबला आसानी से कर सकें, इसके लिए समय-समय पर उनसे न कहना भी जरूरी है। यदि अपने यहां के पुराने पारिवारिक ढांचे को देखें तो वहां यही कहा जाता था कि यदि बच्चों को बिगाड़ना है तो उनकी हर जिद पूरी करो। यदि उन्हें जीवन जीने का सही तरीका समझाना है तो उनकी हर मांग पूरी न करें। बुजुर्गों की इन सीखों का समर्थन कई शोध भी कर रहे हैं। मनोविज्ञान और न्यूरो साइंस से जुड़ी कई रिसर्च कहती हैं कि बच्चे का न सुनना उसके स्वस्थ दिमाग के विकास के लिए जरूरी है। जब बच्चे न सुनते हैं तो चाहे वे उस वक्त नाराज हों, पर इसके बारे में सोच-विचार भी करते हैं। अनेक मामलों में जिस बात के लिए न की गई होती है, वे दोबारा उसकी चर्चा नहीं करते। इन रिसर्च में यह भी कहा है कि बच्चों के सामने एक सीमा रेखा हमेशा खींचनी चाहिए। बच्चों को यह बताना जरूरी है कि वे क्या कर सकते हैं और क्या नहीं? यह जानना भी आवश्यक है कि माता-पिता या अन्य परिवार वालों के लिए उनकी कौन सी मांग पूरी करना संभव है और कौन सी नहीं? ऐसा करने से बच्चे धैर्यवान बनते हैं, दूसरे की इच्छा का सम्मान करना सीखते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति क्या है, इसलिए उन्हें अपनी जरूरत कितनी बढ़ानी है, इस पर भी विचार करते हैं। बच्चों में इतनी समझ होती है कि वे कम उम्र में ही वास्तविकता पहचान सकते हैं। जीवन और इस दुनिया की सच्चाई क्या है, वे इस पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। मनोविज्ञानियों ने इस बारे में कई उदाहरण दिए हैं। मान लीजिए एक बच्चा पार्क में खेल रहा है। अंधेरा घिर आया है। घर लौटने का समय हो गया, लेकिन बच्चा अभी और खेलना चाहता है। घर लौटने की बात पर वह रूठ जाता है। ऐसे में उससे कैसे न कहें कि वह दुखी भी न हो और अपनी सीमा को भी समझ जाए। इसका उदाहरण इस तरह दिया गया है, 'मुझे पता है कि तुम और खेलना चाहते हो और पार्क छोड़कर जाना तुम्हें बुरा लग रहा है, लेकिन अब और नहीं खेला जा सकता। हमें घर जाना है। यह घर जाने का समय है।' इसी तरह यदि बच्चा कोई सामान लेने के लिए अड़ जाए तो कभी समझाकर, कभी कठोरता से न कहना पड़ता है।

आजकल तो यह देखने में आता है कि माल या दुकान में खड़े होकर वह जो मांग रहा होता है, उसे माता-पिता खरीद देते हैं। ऐसा बच्चा कल ऐसा कुछ मांग सकता है, जिसे खरीदने के पैसे न हों या जो उसके लिए सही न हो, तब तो न कहना ही पड़ेगा। आजकल कई बार बच्चे मोबाइल फोन लेने के लिए अड़ जाते हैं। कई मां-बाप उन्हें दिला भी देते हैं, जबकि तमाम अध्ययन यही कह रहे हैं कि एक खास उम्र तक बच्चों के लिए मोबाइल हानिकारक है। इसलिए उनसे कहना ही पड़ेगा-तुम्हें अभी फोन नहीं मिलेगा। बहुत से बच्चे मनपसंद चीज न मिलने के कारण रोते हैं, सामान इधर-उधर फेंकने लगते हैं और खाना-पीना बंद कर देते हैं। अनेक माता-पिता बच्चों की ऐसी जिद के आगे झुक जाते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चा इस तरह रोएगा और कुछ खाएगा-पिएगा नहीं तो उसका कुछ नुकसान न हो जाए, जबकि यह एक तरह से अपनी बात मनवाने के लिए बच्चों की ब्लैकमेलिंग होती है। यदि माता-पिता एक बार इस तरह उनके आगे झुक जाएं तो वे हमेशा अपनी बात पूरी कराने के लिए इसी तरह की जिद करेंगे।

इसलिए बच्चों की हर जिद और मांग के आगे न झुकें। बच्चे की हर शिकायत को सही न मानकर उसके अच्छे-बुरे पर भी विचार करें। चाहे बच्चे की मंशा गलत न हो, मगर कई बार वे बहाने भी बनाते हैं। खुद के बचाव के लिए दूसरों का नाम भी लेते हैं। दरअसल छुटपन में वे व्यवहार के बहुत से तरीके सीखते हैं। यही वह समय है, जब उन्हें अच्छा-बुरा बताया जाना चाहिए।

# चीन पर निर्भरता घटाने की हो तैयारी

गत नौ नवंबर को चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने एलान किया कि कुछ निर्यात प्रतिबंधों पर लगी अंतरिम रोक की अवधि दो महीने बढ़ाई जा रही है। यानी 10 जनवरी तक के लिए उसने निर्यात प्रतिबंध के निर्णय को टाल दिया है। इसका अर्थ है कि दुनिया भर के उद्योगों को दो महीने की तात्कालिक राहत मिल गई। जर्मनी, जापान एवं भारत के कारखानों से लेकर सामरिक तैयारियों में लगे तमाम देशों के लिए यह बयान किसी बड़ी रणनीतिक रियायत से कम नहीं। चीन का यह फैसला विश्व में वाहन निर्माण और रक्षा उपकरण बनाने वाली कंपनियों की किस्मत तय करने वाला था कि अगले दो महीनों तक वे सुचारु रूप से चलती रहेंगी या ठप पड़ जाएंगी? रेयर अर्थ 17 धातुओं का एक समूह है। हालांकि नाम के अर्थ की कसौटी पर देखा जाए तो ये तत्व उतने दुर्लभ भी नहीं। इन्हें दुर्लभ बनाती है कि इन्हें पृथक करने और रिफाइनिंग यानी परिष्कृत करने की क्षमता। यह प्रक्रिया बेहद जटिल, प्रदूषणकारी और खर्चीली है। परिष्कृत रेयर अर्थ तत्वों का उपयोग छोटे, बेहद शक्तिशाली मैग्नेट या चुंबक बनाने में होता है। यही मैग्नेट इलेक्ट्रिक वाहनों, एयर टर्बाइनों, स्मार्टफोन, हार्ड ड्राइव, लड़ाकू विमानों और गाइडेड मिसाइलों के भीतर लगे होते हैं। इनकी महत्ता इससे समझी जा सकती कि अगर एक मामूली से वजन का मैग्नेट समय पर न पहुंचे तो वह बड़े से बड़े कारखाने की चाल को रोक सकता है। रेयर अर्थ की समूची आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का पूरी तरह से वर्चस्व है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी यानी आइईए के अनुसार 2024 में मैग्नेट निर्माण में प्रयुक्त होने वाले रेयर अर्थ खनिजों के खनन में चीन की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत, परिष्कृत सामग्री में करीब 91 प्रतिशत और तैयार मैग्नेट के उत्पादन में लगभग 94 प्रतिशत थी। डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसी भारी दुर्लभ धातुओं के मामले में तो चीन की हिस्सेदारी लगभग शत प्रतिशत है। ये धातुएं मैग्नेट को उच्च तापमान पर भी प्रभावी एवं सक्षम बनाए रखती हैं। रेयर अर्थ भले ही भारत समेत कई देशों में हों, लेकिन परिशोधन के मामले में ऐसा नहीं है और यही सबसे बड़ा रणनीतिक अवरोध है। आखिर यह स्थिति बनी कैसे? अप्रैल 2025 में चीन ने कुछ चुनिंदा रेयर अर्थ खनिजों पर निर्यात नियंत्रण लागू करते हुए उनकी आपूर्ति के लिए लाइसेंस अनिवार्य कर दिया। अक्टूबर 2025 में उसने इन पाबंदियों का दायरा अप्रत्याशित रूप से बढ़ाते हुए इसमें औद्योगिक उपयोग में काम आने वाले हीरे और लीथियम बैट्री तकनीक को भी शामिल कर लिया। इसके अगले माह नौ नवंबर को दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच सहमति के बाद इन पाबंदियों को एक साल के लिए टाल दिया गया। नौ नवंबर की घोषणा उसी अंतरिम रोक को दो महीने और आगे बढ़ाती है, क्योंकि वाशिंगटन और बीजिंग एक स्थायी व्यापार समझौते के लिए बात कर रहे हैं। यह ध्यान रहे कि नियंत्रण के निलंबन को केवल टाला गया है, न कि उन्हें समाप्त किया गया है। ये प्रतिबंध आज भी चीनी नियमावली में दर्ज हैं, जिन्हें कभी भी दोबारा लागू किया जा सकता है। चीन के यह सब करने के पीछे तीन कारण गिनाए जाते हैं। पहला, व्यापार वार्ताओं में अपनी सौदेबाजी की ताकत बढ़ाना। वैसे तो लाइसेंस की अनिवार्यता कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं, लेकिन जब वैश्विक आपूर्ति में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी वाला कोई देश ऐसी पहल करे तो वह समस्त आपूर्ति को ठप करने के लिए काफी है। दूसरा, सेमीकंडक्टर और अत्याधुनिक तकनीक पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करना। तीसरा, अपनी दीर्घकालिक औद्योगिक रणनीति के तहत कदम उठाना। चीन ने चार दशकों तक रिफाइनिंग में भारी निवेश किया, पर्यावरणीय प्रदूषण को झेला और प्रतिस्पर्धियों से बेहद कम कीमतों पर उत्पाद बेचे, ताकि दुनिया में कहीं भी इसका वैकल्पिक उत्पादन तंत्र विकसित न हो और यदि कोई देश ऐसा करे तो उसके लिए यह घाटे का सौदा बन जाए।

# करण जौहर के शो में गर्लफ्रेंड मेधा शंकर संग आएंगे समय? पोस्टर शेयर कर बढ़ाई हलचल




समय रैना ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण 9 का पोस्टर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इसके बाद मेधा शंकर के साथ उनके शो में आने की अटकलें तेज हो गई हैं। कॉफी विद करण 9 में नजर आ सकते हैं समय रैना रूमर्ड गर्लफ्रेंड मेधा शंकर संग शो में आने की चर्चा करण जौहर के शो में समय, तन्मय और फराह करेंगे खिंचाई कॉमेडियन समय रैना अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टीर पर करण जौहर के मशहूर चैट शो कॉफी विद करण का एक पोस्टर शेयर किया है। समय रैना का कॉफी विद करण 9 का पोस्टर शेयर करने के बाद से लगातार अटकलें लगायी जा रही है कि समय करण जौहर के शो में नजर आ सकते हैं। हालांकि समय रैना के पोस्टर में ऐसा कोई कैप्शन या डिटेल नहीं लिखी थी जिससे इसकी पुष्टि की जा सकें। क्या गर्लफ्रेंड मेधा शंकर के साथ आएंगे समय रैना? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समय रैना अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड मेधा शंकर के साथ करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण 9 में नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि समय रैना वाला एपिसोड इस सीजन का लास्ट सेकेंड एपिसोड हो सकता है। हालांकि इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आयी है। करण जौहर ने दी थी हिंट सबसे दिलचस्प बात तो ये है कि समय रैना के इस शो में आने की खबरें पहले भी आ चुकी है। एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान शो के होस्ट करण जौहर ने कॉफी विद करण 9 की गेस्ट लिस्ट और एपिसोड की प्लानिंग को लेकर बात की थी। इस लिस्ट में समय रैना, तन्मय भट्ट और फराह खान के साथ एक एपिसोड का जिक्र किया था। समय, तन्मय और फराह मिलकर करेंगे करण की खिंचाई करण जौहर ने बताया था कि इस सीजन में मेहमानों को चुनते समय उन्होंने अपनी पसंद और उनके साथ अपनी बॉन्डिंग को ध्यान में रखा।

उनके मुताबिक, हर एपिसोड में दो मेहमानों को चुनना आसान नहीं था, इसलिए इस बार अलग-अलग सेलिब्रिटी जोड़ियों को साथ लाया गया। समय रैना, तन्मय भट्ट और फराह खान वाले एपिसोड को लेकर करण ने कहा था कि उन्हें इस बातचीत में काफी मजा आने वाला है, क्योंकि तीनों मिलकर उनकी खूब खिंचाई करेंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि इस बार हर एपिसोड का फॉर्मेट एक जैसा नहीं रखा गया, बल्कि मेहमानों की एनर्जी और उनकी जिंदगी के मौजूदा दौर के हिसाब से बातचीत की गई।

# श्रीकृष्ण की दिव्य वाणी और अर्जुन का गांडीव, महाभारत: एक धर्मयुद्ध 2 के ट्रेलर में दिखा धर्म-अधर्म का संग्राम



'महाभारतः एक धर्मयुद्ध' के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह AI आधारित सीरीज 24 नवंबर से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इसमें कुरुक्षेत्र युद्ध की कहानी दिखाई जाएगी। 'महाभारतः एक धर्मयुद्ध' के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। सीरीज में द्रौपदी के स्वयंवर, चीरहरण और श्रीकृष्ण के दिव्य हस्तक्षेप की झलक दिखाई गई है। यह भारत की पहली प्रीमियम AI आधारित सीरीज बताई जा रही है। महाभारत की कहानी एक बार फिर नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने वाली है। भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य वाणी, कुरुक्षेत्र का महासंग्राम और धर्म-अधर्म के बीच संघर्ष को दिखाने वाली सीरीज 'महाभारतः एक धर्मयुद्ध' के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जियोहॉटस्टार ने इसका ट्रेलर जारी करते हुए सीरीज की स्ट्रीमिंग डेट का भी ऐलान कर दिया है।

# रामायण की शूटिंग में लारा दत्ता के साथ हुआ ऐसा वाकया, कलाई से कंगन निकालने के लिए चलानी पड़ी आरी



फिल्म रामायण के सेट पर एक्ट्रेस लारा दत्ता के साथ एक अजीब किस्सा घटित हुआ। कैकेयी के रोल के लिए पहना गया भारी कंगन उनकी कलाई में फंस गया।

फिल्म रामायण के सेट पर एक्ट्रेस लारा दत्ता की कलाई में भारी कंगन फंस गया। कंगन निकालने के लिए टीम को छोटी आरी का इस्तेमाल करना पड़ा। एक्ट्रेस लारा दत्ता ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। फिल्मों में स्टार्स का शाही अंदाज दर्शकों को खूब लुभाता है। पर्दे पर नजर आने वाले भारी गहने और शानदार पोशाकें किसी भी रोल को खास बना देते हैं। लेकिन इन आभूषणों को पहनना और लंबे समय तक संभालना कई बार स्टार्स के लिए मुश्किल भी बन जाता है। ऐसा ही कुछ एक्ट्रेस लारा दत्ता के साथ फिल्म रामायण की शूटिंग के दौरान हुआ। फिल्म में कैकेयी का रोल निभा रहीं लारा दत्ता की कलाई में एक भारी कंगन इस कदर फंस गया कि उसे निकालने के लिए टीम को आरी का सहारा लेना पड़ा। एक्ट्रेस ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। फिल्म की शूटिंग के बाद कलाई में फंस गया कंगन एक्ट्रेस लारा दत्ता ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें वह अपनी वैनिटी वैन में बैठी नजर आ रही हैं। इस दौरान लारा दत्ता की कलाई में ट्रेडिशिनल डिजाइन वाला एक भारी कंगन फंसा हुआ दिखाई देता है। सामान्य तरीके से उसे निकालने की कोशिश की गई, लेकिन निकाल नहीं पाई। पौराणिक फिल्मों में भूमिकाओं को उस दौर के अनुरूप दिखाने के लिए खास तरह के कपड़े और ज्वैलरी तैयार किए जाते हैं। फि लारा दत्ता के कैकेयी के लुक ने बटोरी सुर्खियां फिल्म रामायण में लारा दत्ता कैकेयी का रोल निभा रही हैं। फिल्म से उनका लुक सामने आने के बाद उनकी ड्रेस और ज्वैलेरी को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा हुई थी। कुछ लोगों ने उनके कॉस्ट्यूम पर सवाल उठाए थे। इस पर एक्ट्रेस ने अपनी बात रखते हुए बताया था कि फिल्म में अलग-अलग क्षेत्रों और राज्यों की संस्कृति को ध्यान में रखकर कपड़ों और गहनों का चयन किया गया है। लारा दत्ता का यह वायरल वीडियो फिल्म की शूटिंग से जुड़ी एक दिलचस्प झलक को दिखाता है। दर्शकों को बड़े पर्दे पर कलाकारों का तैयार लुक दिखाई देता है, लेकिन उस रूप को हासिल करने के लिए स्टार्स और कॉस्ट्यूम टीम को कई तरह की चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। ल्म रामायण में भी कलाकारों के लुक को भव्य बनाने के लिए ऐसे ही गहनों का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि लारा के साथ हुई यह घटना बताती है कि बड़े पर्दे पर खूबसूरत दिखने वाली ये ज्वैलेरी कभी-कभी मुश्किलों की वजह भी बन सकते हैं। आफ्टर शूटिंग जब कंगन आसानी से नहीं निकला, तो मेकअप टीम के सामने उसे हटाने की चुनौती खड़ी हो गई। आखिर में सावधानी बरतते हुए एक मेंबर ने छोटी आरी की मदद से कंगन को काटना शुरू किया।

# 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, मेंस टी-20 क्रिकेट के सबसे युवा कप्तान बनकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड



वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल 232 दिन की उम्र में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कप्तानी कर इतिहास रच मेंस टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे कम उम्र के कप्तान बन गए हैं। वैभव सूर्यवंशी मेंस टी20 इतिहास के सबसे युवा कप्तान बने। उन्होंने 15 साल 232 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। 14 नवंबर से शुरू हुई सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में बिहार की कप्तानी की। 15 साल 232 दिन की उम्र में बिहार के युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने मेंस टी20 क्रिकेट के इतिहास का सबसे युवा कप्तान बनकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। दरअसल, उन्होंने 14 नवंबर से शुरू हुई सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में बिहार टीम की कमान संभालते हुए यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

# सीरीज पर कब्जा जमाने उतरेगी भारतीय टीम, जानें प्लेइंग इलेवन, पिच रिपोर्ट, और लाइव स्ट्रीमिंग की पूरी जानकारी




भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला रविवार, 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे चल रही है। भारत बनाम न्यूजीलैंड के बीच 5वां वनडे मुकाबला रविवार को खेला जाएगा तीसरा मैच बारिश से धुलने के बाद भारतीय टीम 2-1 से आगे है। श्रेयस अय्यर की टीम सीरीज जीतने उतरेगी, जबकि न्यूजीलैंड इसे 2-2 से बराबर करना चाहेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी 5 मैचों की वनडे सीरीज अब अपने रोमांचक मोड़ पर पहुंच गई है। सीरीज का पांचवां और आखिरी निर्णायक मुकाबला कल यानी रविवार, 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान में खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा मैच बारिश की भेंट चढ़ने के कारण भारतीय टीम फिलहाल 2-1 से आगे है। ऐसे में कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम इंडिया इस मुकाबले को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। वहीं दूसरी तरफ, मेजबान न्यूजीलैंड की नजरें जीत दर्ज कर सीरीज को 2-2 की बराबरी पर खत्म करने पर टिकी होंगी। ऐसे में क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस अहम मुकाबले पर टिकी होगी। आंकड़ों में किसका पलड़ा भारी? वनडे इतिहास में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हमेशा से कड़ी टक्कर देखने को मिली है, लेकिन कुल आंकड़ों में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 127 वनडे मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 65 और न्यूजीलैंड ने 53 मैच जीते हैं। इसके अलावा 8 मैच बेनतीजा रहे हैं और 1 मुकाबला टाई रहा है। हालांकि, न्यूजीलैंड की सरजमीं पर कीवी टीम का दबदबा साफ नजर आता है। वहां खेले गए 49 मैचों में मेजबान टीम ने 27 मुकाबले जीते हैं, जबकि भारत को केवल 16 मैचों में सफलता मिली है (5 बेनतीजा, 1 टाई)।

# अमेरिका में पहले भी कई बार ठप हो चुका है हवाई यातायात, 9/11 से लेकर 2026 तक इन घटनाओं ने मचाई हलचल

अमेरिका में हवाई यात्रा ठप होने से पुरी दुनिया में हलचल मच गई। हवाई यात्रा बंद होने के बाद फिर हवाई यात्रा बहाल हो गई है। अमेरिका में कब-कब हवाई यात्रा ठप हुई यहां पढ़ें। अमेरिका में FAA ने तकनीकी खराबी के चलते देशभर की उड़ानों पर लगाई रोक 9/11 हमले से लेकर 2026 तक कई बार ठप हुआ अमेरिका का हवाई यातायात कभी आतंकी हमला, कभी तकनीकी खराबी तो कभी कर्मचारियों की हड़ताल बनी वजह जब भी विकसित देश की बात होती तो अमेरिका का नाम सबसे पहले आता है। अमेरिका में कोई भी घटना घटित हो उसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिलती है। इसी बीच अमेरिका में हवाई यातायात बाधित होने से पूरी दुनिया में हलचल मच गई। अमेरिका में हवाई यात्रा बाधित होने की घटना पहली बार नहीं हुई है। दुनिया के सबसे विकसित विमानन नेटवर्क में शामिल अमेरिकी एयर ट्रैफिक सिस्टम को पिछले कई दशकों में कई बार बड़े व्यवधानों का सामना करना पड़ा है। कभी आतंकी हमलों ने विमानों के पहिए थाम दिए तो कभी तकनीकी खराबी और एयर ट्रैफिक कंट्रोल कर्मचारियों की हड़ताल के कारण हजारों उड़ानें प्रभावित हुईं। नवंबर 2026 में सामने आया ताजा प्रकरण भी इसी कड़ी का हिस्सा है। आइए जानते हैं कि अमेरिका में इससे पहले कब-कब हवाई यातायात ठप हुआ और इसके पीछे क्या वजह रही। 11 सितंबर 2001: आतंकी हमले के



बाद बंद हुआ पूरा एयरस्पेस अमेरिका के विमानन इतिहास में 11 सितंबर 2001 की घटना सबसे बड़ी और ऐतिहासिक घटनाओं में शामिल है। इस दिन न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेंटागन पर आतंकी हमले किए गए थे। आतंकियों ने यात्री विमानों को हाईजैक कर हमलों को अंजाम दिया था। इसके बाद फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) ने पूरे अमेरिका में विमानों के संचालन पर रोक लगा दी थी। आसमान में मौजूद विमानों को नजदीकी एयरपोर्ट पर उतरने का निर्देश दिया गया। इस घटना के बाद अमेरिकी विमानन सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए। अगस्त 1981: एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की हड़ताल अमेरिका में हवाई यातायात पर बड़ा असर 3 अगस्त 1981 को भी देखने को मिला था। उस समय एयर ट्रैफिक कंट्रोल कर्मचारियों ने वेतन और कामकाजी परिस्थितियों को लेकर हड़ताल कर दी थी। इससे देशभर में उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ। उस समय अमेरिका में रोजाना संचालित होने वाली हजारों उड़ानों में से करीब 35 प्रतिशत उड़ानें प्रभावित हुई थीं। इस हड़ताल के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने हड़ताली कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी। 11 जनवरी 2023: FAA के कंप्यूटर सिस्टम में आई खराबी जनवरी 2023 में अमेरिका के विमानन क्षेत्र को एक बड़ी तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा। FAA के नोटिस टू एयर मिशन्स (NOTAM) सिस्टम में खराबी आ गई थी। इस सिस्टम के जरिए पायलटों को उड़ानों से जुड़ी जरूरी सुरक्षा सूचनाएं दी जाती हैं। सिस्टम में गड़बड़ी के बाद FAA ने देशभर में विमानों के टेकऑफ पर अस्थायी रोक लगा दी थी। करीब 90 मिनट तक उड़ानों के प्रस्थान पर असर रहा। इस घटना में 1,300 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और हजारों उड़ानों में देरी हुई। 24 दिसंबर 2024: क्रिसमस से पहले अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित क्रिसमस के पहले की शाम 24 दिसंबर 2024 को अमेरिकन एयरलाइंस के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

## 'मौत से नहीं डरती, दिसंबर में लौटूंगी', शेख हसीना का बड़ा ऐलान, क्या फिर संभालेंगी बांग्लादेश की सत्ता?



क्या शेख हसीना दिसंबर 2026 में बांग्लादेश लौटकर फिर सत्ता संभालेंगी? जानिए प्रत्यर्पण, मौत की सजा, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और चीन से लड़ाकू विमान खरीदने पर उनका क्या कहना है। शेख हसीना ने दिसंबर 2026 में बांग्लादेश लौटने और जनता की इच्छा होने पर दोबारा सत्ता संभालने की बात कही। मौत की सजा और प्रत्यर्पण पर हसीना ने क्या कहा, जानिए भारत-बांग्लादेश संबंधों को लेकर उनका रुख। बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाइयों की सुरक्षा के साथ चीन से लड़ाकू विमान खरीदने की डील पर जताई चिंता। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक बार फिर देश लौटने और राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि अगर बांग्लादेश की जनता उन्हें सत्ता की जिम्मेदारी सौंपना चाहती है तो वह दोबारा प्रधानमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। न्यूज एजेंसी IANS को दिए इंटरव्यू में हसीना ने दावा किया कि वह दिसंबर 2026 में बांग्लादेश लौटेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें गिरफ्तारी, जेल या मौत की सजा का कोई डर नहीं है। हसीना ने कहा कि उनका अपने देश और वहां के लोगों से गहरा जुड़ाव है। मौजूदा हालात में वह बांग्लादेश की जनता से दूर नहीं रहना चाहतीं। उन्होंने याद दिलाया कि 1981 में सैन्य शासन के बावजूद वह स्वदेश लौटी थीं। इसी तरह 2007 में गिरफ्तारी का खतरा होने के बाद भी उन्होंने बांग्लादेश लौटने का फैसला किया था। उनके मुताबिक, इस बार भी वह किसी डर के कारण अपने देश लौटने का इरादा नहीं बदलेंगी। प्रत्यर्पण के मुद्दे पर भारत को लेकर क्या बोलीं हसीना? भारत में रह रहीं शेख हसीना ने बांग्लादेश सरकार की ओर से उनके प्रत्यर्पण की मांग पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारत एक स्वतंत्र देश है और उसकी सरकार अपने कानूनों तथा निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार फैसला करेगी।

## अमेरिका में हवाई यातायात ठप ! बोस्टन समेत कई एयरपोर्ट्स पर हजारों यात्री फंसे



FAA के ग्राउंड स्टॉप आदेश से अमेरिका में हवाई यातायात प्रभावित है। करीब 481 उड़ानें रद्द या देरी की चपेट में हैं। एयरपोर्ट पर यात्रियों को परेशानी हुई है। अमेरिका में FAA के ग्राउंड स्टॉप आदेश से हवाई यातायात प्रभावित, 481 उड़ानें रद्द या देरी का शिकार न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और बोस्टन एयरपोर्ट पर सबसे ज्यादा असर, हजारों यात्री एयरपोर्ट पर फंसे यूनाइटेड और अमेरिकन एयरलाइंस ने जारी की एडवाइजरी, यात्रियों को एयरपोर्ट जाने से पहले फ्लाइट स्टेटस चेक करने की सलाह अमेरिका में शुक्रवार को हवाई यातायात बाधित होने का सीधा असर यात्रियों पर पड़ा। FAA के देशव्यापी ग्राउंड स्टॉप आदेश के चलते कई एयरपोर्ट्स पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि बड़ी संख्या में फ्लाइट्स देरी से रवाना हुईं। इस व्यवधान से हजारों यात्रियों की यात्रा योजनाएं बिगड़ गईं। कई लोग एयरपोर्ट पर फंसे रहे और उन्हें अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने पड़े। एविएशन एनालिटिक्स कंपनी सिरियम (Cirium) के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को अमेरिकी समयानुसार शाम 4:40 बजे तक करीब 481 उड़ानें रद्द हो चुकी थीं या निर्धारित समय के मुकाबले 180 मिनट के भीतर उड़ान नहीं भर पाई थीं। यह उस दिन अमेरिका से रवाना होने वाली कुल 26,284 उड़ानों का लगभग 1.8 प्रतिशत था। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा प्रभावित उड़ानों में न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और बोस्टन के एयरपोर्ट्स से संचालित होने वाली फ्लाइट्स शामिल थीं। वहीं, शाम 4 बजे के बाद लगभग 11 हजार उड़ानों के रवाना होने का कार्यक्रम था।
ऐसे में यात्रियों को आगे भी देरी और कैंसिलेशन का सामना करना पड़ सकता था। एयरलाइंस ने यात्रियों को दी सलाह अमेरिका की प्रमुख एयरलाइंस ने यात्रियों को संभावित देरी और उड़ानें रद्द होने के बारे में जानकारी दी।

## डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में 4,83,200 लोगों का अमेरिका से डिपोर्ट, टूटा 23 साल का रिकॉर्ड



अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सरकार बनने के बाद से 23 साल का रिकॉर्ड ब्रेक हो गया। बता दें कि एक साल के अंदर 4.83 लाख प्रवासी अमेरिका से डिपोर्ट हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने तोड़ा 23 साल का रिकॉर्ड ट्रंप के शासनकाल में सबसे ज्यादा लोगों का डिपोर्ट कुल 4,83,200 लोगों को देश से डिपोर्ट किया गया इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट यानी ICE ने वित्त वर्ष 2026 में 4,83,200 लोगों को डिपोर्ट किया है जो पिछले सालों की तुलना में सबसे ज्यादा है। कहा जा सकता है कि अमेरिका में पिछले 23 सालों में सबसे ज्यादा ये आंकड़ा है जब इतनी बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार कर देश से डिपोर्ट किया गया।

## अमेरिका में मिसिसिपी नदी पर बड़ा हादसा, टैंकर से टकराई क्रूज बोट, VIDEO आया सामने, चश्मदीद ने बताई आंखों देखी



अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स में मिसिसिपी नदी पर टैंकर की क्रूज बोट से टक्कर हो गई। हादसे में नाव पलट गई और 32 यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया गया। मिसिसिपी नदी में अटलांटिक डामर टैंकर अमेरिकन हेरिटेज पैडल-बोट से टकरा गया। टक्कर से लेकर नाव पलटने तक, केवल 15 मिनट का समय लगा। मिसिसिपी नदी में आवाजाही रोक दी गई है। अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स में मिसिसिपी नदी पर टैंकर ने अमेरिकन हेरिटेज क्रूज बोट को टक्कर मार दी। नाव पलट गई और 32 यात्री अस्पताल पहुंचे। सभी यात्रियों और क्रू को बचा लिया गया। अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स में मिसिसिपी नदी पर एक बड़ा टैंकर 129 यात्रियों को ले जा रहे क्रूज से टकरा गया। इस हादसे के बाद क्रूज बोट पलट गया और मलबे के साथ पूरा डूब गया। इस हादसे का डरा देने वाला वीडियो अब सामने आ गया है। 'अटलांटिक डामर' टैंकर 'अमेरिकन हेरिटेज' पैडल-बोट से टकराया गनीमत रही की सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और जनहानि नहीं हुई। हादसे में घायल यात्रियों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 12:30 बजे मिसिसिपी नदी पर यह हादसा हुआ। 'अटलांटिक डामर' नाम का टैंकर 'अमेरिकन हेरिटेज' पैडल-बोट से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी की बोट पलटने लगा और देखते-ही-देखते सिर्फ 15 मिनट में नदी में समा गया। यात्रियों के उतरने के समय हादसा दरअसल, क्रूज बोट किनारे पर लगभग 2 घंटे से खड़ी थी और यात्रियों के उतरने का इंतजार कर रही थी। न्यू ऑरलियन्स की मेयर हेलेना मोरेनो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 'अमेरिकन हेरिटेज' पर सवार सभी यात्रियों की पहचान की जा चुकी है। 32 घायल यात्रियों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोटें नहीं आई। बताया जा रहा है कि 'अटलांटिक डामर' टैंकर 'अनियंत्रित हो गया था, जिसके कारण वह क्रूज बोट से जा टकराया।'

### सुप्रिया सुले ने NCP के दोनों गुटों

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को पार्टी के दोनों गुटों के विलय को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लगाने की कोशिश की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक अजित पवार जीवित थे, तब तक दोनों गुटों के एक साथ आने और विलय को लेकर बातचीत चल रही थी। इसके लिए तारीख भी तय हो गई थी, लेकिन अजित पवार के निधन के बाद उनकी पार्टी की तरफ से इस चर्चा पर पूरी तरह विराम लग गया है। उन्होंने दो टूक कहा कि आज इस विषय पर जितने सवाल पूछने हैं पूछ लीजिए, इसके बाद वह विलय के मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं बोलेंगी। सुप्रिया सुले ने NDA में जाने की अटकलों को भी खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कोई विषय चर्चा में ही नहीं है। उनकी पार्टी जनहित के लिए काम करती है। राजनीतिक दल होने के नाते अलग-अलग नेताओं से मुलाकात और बातचीत होती रहती है। इसका अर्थ सत्ता में शामिल होना या किसी नए राजनीतिक समीकरण की तैयारी करना नहीं है। सुप्रिया सुले ने संजय राउत को बताया बड़ा भाई शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत की टिप्पणी और संपादकीय पर प्रतिक्रिया देते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी राय रखने का अधिकार है। संजय राउत उनके गठबंधन के वरिष्ठ नेता और बड़े भाई हैं। उन्हें अपनी बात रखने और लिखने का पूरा अधिकार है। यदि उन्हें किसी बात पर कुछ महसूस हुआ है तो उन्हें जरूर लिखना चाहिए। ऐसे संपादकीय का वह स्वागत करती हैं। परिवारिक रिश्तों को राजनीति से न जोड़ें अजित पवार गुट के नेताओं के साथ बातचीत और संपर्क के सवाल पर सुप्रिया सुले ने कहा कि उन्हें किसी नेता की तरफ से फोन, मैसेज, एसएमएस, ई-मेल या व्हाट्सऐप संदेश नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सुनील तटकरे, छगन भुजबल और प्रफुल पटेल जैसे वरिष्ठ नेताओं ने उनके पिता शरद पवार के साथ लंबे समय तक काम किया है। प्रफुल पटेल और उनके परिवार से छह दशक से भी पुराने पारिवारिक संबंध हैं। इसलिए रिश्तों को राजनीति से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन परिवार हमेशा साथ रहता है। संयुक्त संसदीय समिति में एक साथ करते है काम सुप्रिया सुले ने बताया कि वह प्रफुल पटेल और अनिल देसाई के साथ एक संयुक्त संसदीय समिति (JPC) में काम कर रही हैं। इस समिति की सप्ताह में एक-दो बैठकें होती हैं, जहां सभी सदस्य मिलते और चर्चा करते हैं। इसी तरह भाजपा नेताओं से भी विभिन्न नीतिगत विषयों पर बातचीत होती है। हर मुलाकात का राजनीतिक अर्थ निकालना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि 2023 में जो राजनीतिक घटनाक्रम हुआ, वह अपनी जगह है, लेकिन पारिवारिक रिश्ते तब भी कायम थे और आज भी हैं। अब देश के सामने कई बड़े मुद्दे हैं, जिन पर राजनीतिक दलों को ध्यान देना चाहिए।

### MPSC परीक्षा गड़बड़ी की शिकायत

छायाप्रति और संबंधित दस्तावेजों की स्वहस्ताक्षरित प्रतियां लगाना अनिवार्य है।इसके अलावा शपथपूर्वक तैयार किए गए हलफनामे, निवेदन और संबंधित दस्तावेजों की एक-एक प्रति आयोग के ईमेल पते complaints.inquirycomm,mpsc@maharashtra.gov.in पर भी भेजने के निर्देश दिए गए हैं। 23 नवंबर के बाद स्वीकार नहीं होंगे हलफनामे आयोग ने स्पष्ट किया है कि 23 नवंबर 2026 के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी हलफनामे को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए इच्छुक उम्मीदवारों और अन्य संबंधित लोगों को निर्धारित समयसीमा के भीतर अपनी शिकायतें जमा करनी होंगी। मदद के लिए जारी किया हेल्पलाइन नंबर हलफनामा जमा करने की प्रक्रिया या शिकायत से संबंधित जानकारी के लिए आयोग ने 022-20867677 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। आयोग के सदस्य सचिव तुकाराम मुंढे ने संबंधित लोगों से समयसीमा का ध्यान रखते हुए अपने निवेदन निर्धारित प्रारूप में जमा करने की अपील की है।

### महाराष्ट्र में शिक्षकों की पदोन्नति

में जिला परिषद स्कूलों में कार्यरत हजारों शिक्षकों को पदोन्नति के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। राज्य सरकार ने शिक्षकों की प्रमोशन प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगाने का फैसला किया है। मुंबई में हुई एक विशेष बैठक के बाद शालेय शिक्षण राज्यमंत्री पंकज भोयर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मुंबई हाईकोर्ट का अंतिम या अंतरिम आदेश आने तक पदोन्नति की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई जाए। इस फैसले से लंबे समय से प्रमोशन की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों को निराशा हुई है। हाईकोर्ट के आदेश तक रुकी रहेगी प्रक्रिया जिला परिषद शिक्षकों की पदोन्नति और शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) से जुड़े नियमों को लेकर विभिन्न मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं। इसी कानूनी स्थिति को देखते हुए सरकार ने फिलहाल प्रमोशन प्रक्रिया रोकने का निर्देश दिया है। राज्यमंत्री पंकज भोयर ने अधिकारियों से कहा है कि अदालत का स्पष्ट आदेश आने के बाद ही इस संबंध में आगे की कार्रवाई की जाए। जुलाई में जारी किए गए थे नए नियम इससे पहले राज्य सरकार ने जुलाई महीने में शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया समय पर पूरी करने के उद्देश्य से नए नियम जारी किए थे। हालांकि, टीईटी की अनिवार्यता और पदोन्नति से जुड़े कानूनी विवादों के कारण प्रक्रिया बार-बार प्रभावित हो रही है। अब हाईकोर्ट के अगले आदेश पर ही हजारों शिक्षकों की पदोन्नति का रास्ता साफ होने की उम्मीद है। शि मुख्याध्यापक और केंद्रप्रमुख बनने का इंतजार पदोन्नति प्रक्रिया के जरिए प्राथमिक शिक्षकों को मुख्याध्यापक, केंद्रप्रमुख और विस्तार अधिकारी जैसे पदों पर आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। लेकिन सरकार के ताजा निर्देश के बाद यह प्रक्रिया फिलहाल अटक गई है। इससे राज्य के हजारों शिक्षकों में निराशा है। न्यायालय के फैसले पर टिकी निगाहें शिक्षक संगठनों का कहना है कि सरकार को हाईकोर्ट में शिक्षकों के हितों का मजबूती से पक्ष रखना चाहिए, ताकि योग्य शिक्षकों को जल्द पदोन्नति मिल सके। फिलहाल सभी की निगाहें मुंबई हाईकोर्ट के अगले आदेश पर टिकी हैं। क्षक संगठनों ने उठाईं 28 मांगें हाल ही में महाराष्ट्र राज्य शिक्षक परिषद के प्रतिनिधियों ने मंत्रालय में राज्यमंत्री पंकज भोयर से मुलाकात की थी। इस दौरान शिक्षकों की पदोन्नति के अलावा पुरानी सेवानिवृत्ति योजना, रिक्त पदों को भरने और शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से राहत देने सहित करीब 28 मांगों पर चर्चा हुई। शिक्षक संगठनों ने इन मुद्दों पर सरकार से सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की।

### भिवंडी में चोरी की 4 वारदातें

की पार्किंग से नरेश रघुनाथ तुयेकर (37) की होंडा यूनिकॉर्न (MH-04-FS-2988) चोरी हो गई। 11 नवंबर की रात 9 बजे से 12 नवंबर की सुबह 5:30 बजे के बीच हुई चोरी में करीब 35 हजार की बाइक गायब हुई। नारपोली पुलिस ने केस दर्ज किया है।पुलिस चारों घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। लगातार हो रही चोरियों से इलाके के लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

### अपने ही इवेंट में टेलीप्रॉम्प्टर

चाहे वह राहुल गांधी हों या अन्य कांग्रेस नेता, वे हमेशा सत्ता में रहे हैं और उन्हें लगता है कि सत्ता उनके हाथ से कभी नहीं जाएगी। हालांकि, कांग्रेस ने अपनी जमीन खो दी है। जब उन्होंने अपनी आंखें खोलीं, तो उन्होंने अपने आसपास बड़े-बड़े नेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों को देखा।'' बहस की चुनौतीः 'कहीं भी, कभी भी' आपको जानकारी दें, कि 2 नवंबर 2026 को, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को विदेशी सहायता के मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती दी। प्रधानमंत्री के इन आरोपों के बीच कि विपक्ष देश को अस्थिर करने के लिए विदेशी मदद का इस्तेमाल कर रहा है राहुल ने पलटवार करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री खुद विदेशी मदद के सहारे सत्ता में आए थे और उसी के भरोसे सत्ता में बने हुए हैं। राहुल ने 'कहीं भी, कभी भी' बहस करने की चुनौती दी।

# 15 नवंबर यौमे-ए-वफात पर विशेष।

## स्वतंत्रता सेनानी डॉ. सैय्यद शाह वजीउद्दीन मिनहाजी

डॉ. सैय्यद शाह वजीउद्दीन मिनहाजी, जिन्होंने गुप्त रूप से अपने लेखन के माध्यम से ब्रिटिश सरकार पर हमला किया और लोगों को स्वतंत्रता की लड़ाई के लिए प्रेरित किया, फिर भी सरकार के लिए एक रहस्य बने रहे, उनका जन्म 1907 में बिहार के रोहतास जिले के सासाराम में हुआ था। उन्होंने नौ साल की उम्र में अपनी माँ को खो दिया, इसलिए उन्होंने गया और कलकत्ता में अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में राष्ट्रवादी विचारों को विकसित किया, जो वैचारिक रूप से ब्रिटिश शासन के ख़िलाफ़ थे। जल्द ही मिनहाजी एक अच्छे वक्ता और कवि बन गये। उन्हें 15 साल की उम्र में अंग्रेजों की कार्रवाइयों के ख़िलाफ़ बोलने के लिए गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अदालत ने उन्हें नाबालिग होने के आधार पर रिहा कर दिया था। उन्होंने 1923 में गया में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और ख़िलाफत समिति के राष्ट्रीय सम्मेलनों में एक स्वयंसेवक के रूप में कार्य किया। बाद में



उन्होंने जमीयत उल उलेमा की गया शाखा का नेतृत्व संभाला और 1931 में एक पांडुलिपि समाचार पत्र "हिंदुस्तान" शुरू किया। अखबार को सरकार ने जब्त कर लिया क्योंकि इसमें ब्रिटिश सरकार की जन-विरोधी नीतियों का भंडाफोड़ किया गया था। वह अपने पिता की इच्छा के विरुद्ध पटना चले गये, क्योंकि वह खुद को परिवार तक सीमित रखना पसंद नहीं करते थे। पटना से वह जीविका चलाने के लिए कई स्थानों पर गये और अंततः 1932 में कलकत्ता पहुंचे जहां उन्होंने बिहार के एक प्रतिनिधि के रूप में 'इत्तेहाद सम्मेलन' में भाग लिया। उन्होंने 'ऑल इंडिया मुस्लिम कॉन्फ्रेंस' की बैठकों का विरोध किया और एक सक्षम युवा नेता के रूप में पहचान बनाई। गिरफ्तारी और कारावास से विचलित हुए बिना मिनहाजी ने एक और पांडुलिपि समाचार पत्र 'बागी.' शुरू किया। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने सरकार के बुरे कामों को उजागर किया और लोगों से अंग्रेजों के ख़िलाफ़ खुलकर विद्रोह करने का आह्वान किया। उन्होंने स्वयं समाचार पत्र लिखा और कई क्षेत्रों में लोगों को गुप्त रूप से इसकी प्रतियां दीं। यद्यपि सरकार की नजर समाचार पत्र पर पड़ी, लेकिन वे इसका विवरण प्राप्त नहीं कर सके। इसलिए ब्रिटिश सरकार ने 'बागी.' में कविताएं और लेख लिखने वाले व्यक्ति के बारे में जानकारी देने वाले को दस हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की। उनके बारे में कोई जानकारी प्राप्त करने में असमर्थ, सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची कि 'खतरनाक अज़ीमाबादी' नामक एक अदृश्य व्यक्ति इस पत्र को चला रहा था। 1941 में अंग्रेजों ने उन्हें कुछ समय के लिए भागलपुर जेल में बंद कर दिया और उन पर कई मामलों में नमूने लिए और उन पर आरोप लगायें। पूरे राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान, मिनहाजी ने एक कार्यकर्ता, कवि, वक्ता और संपादक के रूप में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सक्रिय भाग लिया। उन्होंने भारत के विभाजन के प्रस्ताव का खुलकर विरोध किया। स्वतंत्रता के बाद, उन्होंने होम्योपैथिक चिकित्सा में महारत हासिल की और एक चिकित्सक के रूप में लोगों की सेवा की। डॉ. सैय्यद शाह वजीउद्दीन मिनहाजी, जिन्होंने अपना पूरा जीवन लोगों की सेवा में बिताया, उनका निधन 15 नवंबर, 1984 को हुआ संदर्भ- द इम्मोर्टल्स-2, सैय्यद नसीर अहमद द्वारा संकलन हसरत अली शेरपुर जिला मुज़फ्फरनगर उत्तर प्रदेश

पृष्ठ 1/8 का शेष

### CSMT पुनर्विकास परियोजना: 56

और 72 पेड़ों को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की अनुमति दी गई है। बीएमसी की वृक्ष प्राधिकरण समिति ने रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 2,463 नए पौधे लगाने का दावा आरएलडीए की ओर से यह प्रस्ताव दूसरी बार समिति के सामने पेश किया गया था। इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) मॉडल के तहत होने वाले पुनर्विकास कार्य के लिए इन पेड़ों को हटाना जरूरी बताया गया है। इससे पहले भी इसी भूखंड को लेकर प्रस्ताव पेश किया गया था, जिसमें पेड़ों के संरक्षण का दावा किया गया था। हालांकि, बाद में किए गए निरीक्षण के दौरान मौके पर कई पेड़ नहीं मिले थे। इस बार पेड़ों की कटाई की भरपाई के लिए बड़े पैमाने पर पौधारोपण का प्रस्ताव रखा गया है। प्रस्ताव के अनुसार, प्रभावित पेड़ों के बदले 15 दिनों के भीतर कुल 2,463 नए पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए ठाकुर्ली और दिघा में जमीन तय की गई है। संबंधित एजेंसी को इन पौधों की सात साल तक देखभाल करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। पुराने पौधारोपण का हिसाब मांगकर विपक्ष ने जताया विरोध प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने पहले लगाए गए पौधों का हिसाब मांगा और प्रस्ताव में पेड़ों की उम्र कम दर्शाए जाने पर सवाल उठाए। आपत्तियों और विरोध के बावजूद बहुमत के आधार पर समिति ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। वृक्ष प्राधिकरण समिति की नेता विपक्ष किशोरी पेडणेकर ने कहा कि सीएसएमटी के पुनर्विकास में पेड़ों का संरक्षण नहीं होना चिंताजनक है। विकास के साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। नगरसेवक प्रमोद सावंत ने भी पेड़ों की उम्र को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सीएसएमटी ऐतिहासिक महत्व की इमारत है। मुंबई स्टेशन का निर्माण 1888 में हुआ था और 1950 के आसपास इसका विस्तार किया गया था। इसके बावजूद प्रस्ताव में एक भी पेड़ की उम्र 50 वर्ष से अधिक नहीं बताई गई है। इस फैसले के बाद सीएसएमटी के पुनर्विकास और शहर की हरियाली के संरक्षण को लेकर बहस तेज हो गई है। अब प्रस्तावित पौधारोपण और उनकी सात साल तक देखभाल की व्यवस्था पर नजर रहेगी।

### मुंबई में नाबालिग से गैंगरेप,

परिचित से मिलने जा रही थी, तभी रास्ते में उसकी मुलाकात आरोपियों से हुई। आरोपी उसे बहला-फुसलाकर कांदिवली पूर्व के हनुमान नगर इलाके स्थित एक कमरे में ले गए। वहां आरोपियों ने नाबालिग के साथ जबरन यौन उत्पीड़न किया और इस घिनौनी वारदात का अश्लील वीडियो भी अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी से खुला राज इस भयावह घटना के बाद पीड़िता बुरी तरह सहम गई थी, लेकिन आरोपियों की दरिंदगी यहीं नहीं रुकी। 10 नवंबर को सोहेल नाम के एक आरोपी ने सोशल मीडिया के जरिए पीड़िता को मैसेज भेजा और उस पर दोबारा मिलने का दबाव बनाया। जब नाबालिग ने मिलने से साफ इनकार कर दिया, तो सोहेल ने उसके अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। ब्लैकमेलिंग और बदनामी के डर से लड़की ने हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पूरी आपबीती सुनाई। बेटी के साथ हुई हैवानियत की बात सुनकर परिजनों ने समता नगर पुलिस स्टेशन पहुंचे। 20 से ज्यादा लड़कियों के वीडियो मिलने से बढ़ी चिंता परिजनों की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कृष्णा, कासिम, सोहेल और अयान नामक चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच के दौरान जब आरोपियों के मोबाइल फोन खंगाले गए, तो पुलिस के भी होश उड़ गए। फोन में 20 से ज्यादा अन्य नाबालिग लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं। अब पुलिस इस बात की गहनता से जांच कर रही है कि ये वीडियो किन लड़कियों के हैं, इन्हें कब और किसने रिकॉर्ड किया, और क्या इनका इस्तेमाल अन्य लड़कियों को ब्लैकमेल करने के लिए किया जा रहा था। फिलहाल समता नगर पुलिस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

### मुंबई ST महामंडल में 13,980 पदों

हालांकि, भर्ती की विस्तृत अधिसूचना, आवेदन प्रक्रिया और पात्रता संबंधी जानकारी सामने आना बाकी है। नौकरी के नाम पर युवाओं से वसूली एसटी महामंडल के नाम का इस्तेमाल कर कुछ निजी संस्थाओं द्वारा युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा दिए जाने की शिकायतें मिली हैं। आरोप है कि इन संस्थाओं की ओर से भर्ती में चयन कराने का भरोसा देकर बेरोजगार उम्मीदवारों से अवैध रूप से पैसे वसूले जा रहे हैं। नौकरी की उम्मीद लगाए बैठे युवाओं के साथ इस तरह की आर्थिक धोखाधड़ी को लेकर परिवहन मंत्री ने नाराजगी जताई है। फर्जी संस्थाओं के खिलाफ दर्ज होगा आपराधिक मामला परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एसटी प्रशासन को निर्देश दिया है कि भर्ती प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाए। साथ ही एसटी के नाम का दुरुपयोग कर उम्मीदवारों से पैसे वसूलने वाली निजी संस्थाओं की पहचान कर उनके खिलाफ तत्काल आपराधिक मामला दर्ज कराया जाए। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए हैं। उम्मीदवारों से सावधानी बरतने की अपील भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं को किसी भी निजी एजेंट या संस्था के झांसे में नहीं आने की जरूरत है। उम्मीदवारों को आधिकारिक अधिसूचना और एसटी प्रशासन की ओर से जारी जानकारी के आधार पर ही आवेदन करना चाहिए। फिलहाल भर्ती की विस्तृत प्रक्रिया और आवेदन की तारीख घोषित होने का इंतजार है।

# भिवंडी के खाटूश्याम मंदिर में दर्शन के दौरान 7.55 लाख के गहने चोरी करने वाली 2 महिलाएं गिरफ्तार

## 150 सीसीटीवी कैमरे खंगालकर पुलिस ने कल्याण से आरोपियों को धरदबोचा

**भीड़ में बुजुर्ग महिलाओं को बनाती थीं निशाना, 14 तोला सोने के आभूषण बरामद**

सिटी न्यूज़ मुंबई गनी खान भिवंडी के ठाकुराचा पाड़ा स्थित खाटूश्याम मंदिर में दर्शन के दौरान बुजुर्ग महिला के बैग से 7 लाख 55 हजार रुपये के सोने के गहने चोरी करने के मामले में कोनगांव पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मंदिर परिसर और आसपास के करीब 150 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। उनके पास से करीब 14 तोला सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार डोंबिवली पश्चिम के गुप्तेरोड स्थित मधुवन अपार्टमेंट में रहने वाली स्मिता रायचंद जिवाणी (67)नामक बुजुर्ग महिला 10 नवंबर 2026 को शाम करीब 4 बजे वह अपने पति, बेटी, दामाद और नाती के साथ भिवंडी के ठाकुराचा पाड़ा स्थित खाटूश्याम मंदिर में दर्शन करने गई थी।इस दौरान मंदिर में काफी भीड़ थी। धक्का-मुक्की के बीच चोर ने महिला



के हाथ में मौजूद बैग की चेन खोल दी और अंदर रखी पर्स से उनके और उनकी बेटी पूर्वा के सोने के आभूषण चुरा लिए। दर्शन के बाद बैग देखने पर चोरी का पता चला।पीड़िता की शिकायत पर कोनगांव पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस धारा 303(2) के तहत अपराध रजिस्टर क्रमांक 667/2026 दर्ज किया था।मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक हर्षल राजपूत कर रहे थे। पुलिस ने मंदिर और आसपास के इलाकों के करीब 150 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस कल्याण पश्चिम के गौरीपाड़ा रोड स्थित मिलिंदनगर पहुंची और वहां से रेश्मा संतोष कसबे (34) और सखु किसन कांबले (65) को गिरफ्तार कर लिया। बुजुर्ग महिलाओं को बनाती थीं निशाना पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार महिलाएं भीड़भाड़ वाले मंदिरों और बाजारों में बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाती थीं। भीड़ का फायदा उठाकर पर्स से गहने और नकदी चुराना ही उनका तरीका था।पुलिस ने दोनों के पास से करीब 14 तोला सोने के विभिन्न आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि दोनों ने और कहां-कहां इसी तरह की चोरियां की हैं।

## भिवंडी मनपा की 17 नवंबर की आमसभा अचानक रद्द, एजेंडे को लेकर नगरसेवकों में नाराजगी

**सीबीएसई स्कूल शुरू करने और व्यावसायिक संपत्तियों से टैक्स वसूली का ठेका देने जैसे मुद्दों पर होनी थी चर्चा; बैठक की नई तारीख घोषित नहीं**

सिटी न्यूज़ मुंबई गनी खान भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की 17 नवंबर को होने वाली 9वीं आम सभा अपरिहार्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक रद्द कर दी गई है। नगर सचिव संतोष तावरे ने पत्र जारी कर सभी नगरसेवकों को इसकी लिखित सूचना दी है। मनपा सूत्रों के अनुसार, आम सभा की अगली तारीख बाद में घोषित की जाएगी। इस आम सभा में शहर के विकास कार्यों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होनी थी। हालांकि, बैठक रद्द होने से कई नगरसेवकों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि आम सभा नियमित रूप से हर महीने आयोजित की जानी चाहिए और इसका समय सुबह 11 बजे निर्धारित होना चाहिए, ताकि महत्वपूर्ण विषयों पर समय रहते चर्चा और निर्णय हो सकें।नगरसेवकों के अनुसार, इस बैठक में मनपा के सीबीएसई स्कूल शुरू करने तथा व्यावसायिक संपत्तियों से संपत्ति कर वसूली का काम निजी एजेंसी को ठेके पर देने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए जाने थे। इन प्रस्तावों को लेकर नगरसेवक गंभीर चर्चा की तैयारी में थे।अब आम सभा अचानक रद्द होने से इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा टल गई है। नगरसेवकों ने सवाल उठाया है कि आखिर इन प्रस्तावों पर चर्चा कब होगी और अगली आम सभा कब बुलाई जाएगी।

## भिवंडी में चोरी की 4 वारदातें: मोबाइल छीना, फ्लैट से 11.20 लाख के गहने उड़े, 2 बाइक चोरी

**एक ही रात में बदमाशों ने मचाया आतंक; पुलिस सीसीटीवी से कर रही आरोपियों की तलाश**

सिटी न्यूज़ मुंबई /गनी खान भिवंडी में 11 और 12 नवंबर की रात चोरों ने जमकर आतंक मचाया। बाईपास पर बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया, टोडकर मोहल्ला में बंद फ्लैट का ताला तोड़कर 11.20 लाख के गहने और नकदी चुरा ली, वहीं दो अलग-अलग इलाकों से दो मोटरसाइकिल भी चोरी हो गईं। चारों मामलों में कोनगांव, भोईवाड़ा और नारपोली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कल्याण पूर्व निवासी भूषण परमानंद होटकर (40) 12 नवंबर की रात करीब 10:40 बजे ठाणे से नासिक



की ओर जा रहे थे। डोंगराली के पास पीछे से आए दो बाइक सवार बदमाशों ने उनके हाथ से करीब 35 हजार का मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। कोनगांव पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। होटकर एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी ब्रांच मैनेजर हैं।इसी तरह टोडकर मोहल्ला में 12 नवंबर को शाम 4:30 से रात 11:30 बजे के बीच चोरों ने बंद फ्लैट का ताला तोड़कर घर में रखे सोने के आभूषण और नकदी चुरा ली। चोरी गए माल की कीमत करीब 11 लाख 20 हजार रुपये बताई गई है। भोईवाड़ा पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।भुसारी मोहल्ला स्थित जामा मस्जिद के पास रॉयल टावर की पार्किंग में खड़ी काशिफ अब्दुल अजीज मोमिन (40) की सुजुकी एक्सेस (MH-04-LL-5784) चोरी हो गई। 12 नवंबर की रात से 13 नवंबर की सुबह के बीच हुई इस चोरी की कीमत करीब 60 हजार रुपये है। भोईवाड़ा पुलिस जांच कर रही है।कशेली स्थित ओमकारा अपार्टमेंट ...शेष 7 पर

## मुंबई में नाबालिग से गैंगरेप, लड़कों के फोन से मिले 20 ज्यादा लड़कियों के अश्लील वीडियो

मुंबई के कांदिवली पूर्व में 14 वर्षीय नाबालिग से गैंगरेप और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। आरोपियों के मोबाइल से 20 से ज्यादा नाबालिग लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो बरामद हुए हैं। कांदिवली पूर्व के हनुमान नगर इलाके में 14 वर्षीय नाबालिग से गैंगरेप। वारदात का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी मुंबई पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ दर्ज की FIR फोन से 20 अन्य नाबालिगों के वीडियो मिलने से हड़कंप। मुंबई से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। कांदिवली पूर्व स्थित समता नगर पुलिस स्टेशन



क्षेत्र में 14 साल की एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग की वारदात सामने आई है। आरोपी लड़की को दोस्ती के बहाने फुसलाकर एक कमरे में ले गए और उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। आरोपियों ने पीड़िता को उसके अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी थी। मुंबई पुलिस की शुरुआती जांच में एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। आरोपियों के मोबाइल फोन से 20 से अधिक अन्य नाबालिग लड़कियों के अश्लील वीडियो बरामद हुए है। इस खुलासे के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और एक बड़े सेक्स रैकेट या ब्लैकमेलिंग गिरोह की आशंका जताई जा रही है। दोस्ती के जाल में फंसाकर दिया वारदात को अंजाम 11 नवंबर 2026 को समता नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई प्राथमिकी (FIR) के अनुसार, पीड़िता अगस्त 2026 में एक युवक के संपर्क में आई थी। उसी युवक के माध्यम से उसकी पहचान अयान और कासिम नाम के लड़कों से हुई। धीरे-धीरे आरोपियों ने लड़की से बातचीत बढ़ाई और उसका भरोसा जीत लिया। शिकायत में बताया गया है कि 6 नवंबर की दोपहर करीब 3:00 बजे, जब पीड़िता अपने किसी ...शेष 7 पर

## CSMT पुनर्विकास परियोजना: 56 पेड़ों की कटाई और 72 का ट्रांसप्लांटेशन, बदले में लगेंगे 2,463 पौधे



सीएसएमटी स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 128 पेड़ों को हटाने की मंजूरी मिली। बीएमसी वृक्ष प्राधिकरण के फैसले पर विपक्ष ने जताया कड़ा विरोध। CSMT पुनर्विकास में 128 पेड़ों पर पड़ेगा असर। 56 पेड़ काटने और 72 पेड़ों के स्थानांतरण को मंजूरी। भरपाई के लिए 2,463 नए पौधे लगाने का प्रस्ताव। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण और पुनर्विकास की योजना के तहत क्षेत्र के 128 पेड़ों पर असर पड़ेगा। इनमें से 56 पेड़ों को काटने ...शेष 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486